Click here to visit our website
www.hamari-hindi.com

9. रमज़ान

विधा : निबंध

शब्दार्थः-

१. त्यौहार	= पर्व, ईद, పండుగ, Festival
२. चाँद	= चंदा, चंद्र, राकेश, చంద్రుడు, the moon
३. रोजा	= उपवास, ఉపవాసం, fasting
४. इबादत	= प्रार्थना, ప్రార్థన, prayer
५. फितरा	= दान, దానం, charity
६. मास	= महीना, నెల, month
७. इत्र	= ईतर, అత్తరు, perfume
८. पावन	= पवित्र, పవిత్రమైన, The holy
९. सोना	= स्वर्ण, బంగారం, gold
१०. मुबारक	= शुभकामनाएँ, శుభాకాంక్షలు, wishes
११. ईदगाह	= प्रार्थना स्थल, ప్రార్థన స్థలం, prayer place

प्रश्न (3 marks)

1. सद्भावना के विकास में त्यौहारों का क्या महत्व हैं?

या

'त्यौहरों के विषय में भारत की क्या विशेषता है?

ज. भारत प्राचीन और विशाल देश है। यहाँ अनेक धर्मों व जातियों के लोग रहते हैं। सभी धर्मों के लोग विविध प्रकार के उत्सव व त्यौहरा मनाते हैं। ये त्यौहरा समाज में खुशी और सजगता लाता है। ये भारतीय संस्कृति की शोभा को चार चाँद लगाते हैं।

2. त्यौहर मनाने में बच्चों की खुशियॉ कैसी होती हैं ?

ज. त्यौहार मनाने में बच्चों की खुशियॉ अधिक होती है। क्यों कि बच्चे नये कपड़े पहनते हैं । घर में तरह-तरह के पकवान बनाते हैं। घर में सभी एक साथ रहते हैं। छुट्टियॉ मिलती हैं। मित्र और बंधुओं के साथ खुशियॉ मनाते हैं।

3. ''मानव सेवा ही माधव सेवा है।'' इस पर अपना विचार व्यक्त कीजिए ?

ज. मानव एक सामाजिक प्राणी है। मानव का उत्तम गुण परोपकार करना है। हम कष्टों में रहे लोगों की सहायता करना चाहिए। क्योंकि दूसरों की सेवा करना भगवान की सेवा करने के समान है। सेवा भाव एक उत्तम गुण है। इसलिए कहा गया है कि 'मानव सेवा ही माधव सेवा है।'

4. रमज़ान का त्यौहार विश्व कल्याण की भावना को बढ़ाने में सहायक है। कैसे ?

ज. रमज़ान का त्यौहार विश्व कल्याण की भावना को बढ़ाने में सहायक है। क्यों कि इसके कारण लोगों में आत्मसंयम, आत्मनियंत्रण, आत्मविश्वास और आत्मानुशासन आदि गुणों का विकास होता है। गरीबों के दु:ख-दर्दों का अनुभव किया जाता हैं। भाईचारे का विकास होता है।

5. रमज़ान के त्यौहार के पीछे चॉद और सूरज की क्या भूमिका होती है ?

या

रोज़े के बारे में लिखिए ?

ज. इस्लामी महीना चॉद निकलने से ही शुरू होता है। तभी से मुसलमान भाई रोजों की तैयारियों में लग जाते है। 'रोज़ा' मानी उपवास है। रमज़ान महीने के भर रोज़े रखते हैं। रोज़ा करने के लिए सूर्यादय से लगभग डेढ़ घंटा पहले आहार लिया जाता है। इसे सहरी कहा जाता है। सहरी के बाद उपवास आरंभ हो जाता है। इसप्राकर इस त्यौहार के पीछे चॉद और सूरज की बड़ी भूमिका होती है।

6. त्यौहार किस तरह समाज में खुशी और सजगता लाते हैं?

ज. भारत त्यौहारों का देश है। यहॉ अनेक धर्म, जाति और संप्रदाय के लोग रहते हैं। सभी धर्म के लोग विवधि प्रकार के उत्सव मनाते हैं। ये त्यौहार समाज में खुशी और सजगता लाते है। ये भारतीय संस्कृति की शोभा में चार चॉद लगाते हैं।

7. उपवासों से किन गुणों का विकास होता है?

या

'हमारे जीवन में त्यौहारों का क्या महत्व है?

ज. हमारे जीवन में त्यौहारों का बड़ा महत्व है। त्यौहार मानवता का संदेश देते हैं। इससे शांति, त्याग, परोपकार, न्याय, धर्म, आत्म नियंत्रण, आत्म विश्वास आदि गुणों का विकास होता है। संस्कृति और सद्भावना का विकास होता है।

सारांश (10 marks)

1. 'रमज़ान' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए?

ज. **परिचयः-**

पाठ का नाम : रमज़ान

विधा : निबंध

भारत प्राचीन और विशाल देश है। यहाँ अनेक धर्मों व जातियों के लोग रहते हैं। सभी धर्मों के लोग विविध प्रकार के उत्सव व त्यौहरा मनाते हैं। ये त्यौहरा समाज में खुशी और सजगता लाता है। ये भारतीय संस्कृति की शोभा को चार चाँद लगाते हैं। ऐसे त्यौहारों में 'ईद-उल-फ़ितर' भी एक है। इसे 'रमज़ान' भी कहते हैं।

इस्लाम धर्म का प्रमुख त्यौहार 'रमज़ान' है। वास्तव में यह नौवे महीने का नाम है। इस्लाम धर्म के पाँच बुनियादी सिद्धांत हैं।

१. तौहीद २. नमाज़ ३. रोज़ा ४. ज़कात ५. हज

इस्लाम धर्म का तीसरा सिद्धांत 'रोज़ा' है। 'रोज़ा' मानी उपवास है। रमज़ान महीने के भर रोज़े रखते हैं। रोज़ा करने के लिए सूर्यादय से लगभग डेढ़ घंटा पहले आहार लिया जाता है। इसे सहरी कहा जाता है। सहरी के बाद उपवास आरंभ हो जाता है। उपवास में पानी पीना तक मना है। सुर्यास्त के साथ ही खजूर, मेवा, फल, पानी आदि से रोज़ा खोला जाता है। इसे 'इफतार' कहते हैं।

रमज़ान के रोज़े पूरे होते ही अगले दिन 'ईद-उल-फ़ितर' मनाते हैं। यह शव्वाल महीने का पहला दिन है। ईद के दिन सब नये कपड़े पहनते हैं, इत्र लगाते हैं। विशेष रूप से सेवइयाँ बनाते हैं। ईद की नमाज़ ईदगाह में पढ़ते हैं। यह पावन पर्व हमें सद्भावना के सूत्र में बांधकर मानव कल्याण का संदेश देता है।

भाषा की बात

1. तत्सम – तद्भव

तत्सम	तद्भव
1. पवित्र	पावन
2. सत्य	सच
3. स्वर्ण	सोना
4. चंद्र	चाँद

2. विलोम शब्दः

- अनेक X एक
- महत्वपुर्ण X महत्वहीन
- पवित्र X अपवित्र
- त्याग X स्वार्थ
- अहिंसा X हिंसा
- अमीर X गरीब

वचनः

1. त्यौहार - त्यौहार
2. शोभा – शोभाएँ
3. महीना – महीने
4. कपड़ा – कपड़े
5. सेवई – सेवइयाँ

लिंगः

1. भाई – बहन
2. बच्चा – बच्ची
3. छात्र – छात्रा

कतृवाच्य	–	कर्मवाच्य
१. रोज़े रखते हैं।	-	रोज़े रखे जाते हैं।
२. बच्चे खुशी मनाते हैं।	-	बच्चे के द्वारा खुशी मनायी जाती हैं।
३. ईद का चाँद देखते हैं।	-	ईद का चाँद देखा जाता है।
४. इसे सहरी कहते हैं।	-	इसे सहरी कहा जाता है।
५. लड़के ने रोटी खायी।	-	लड़के से रोटी खायी गयी।
६. लड़का रोटी खाता है।	-	लड़के से रोटी खायी जाती है।
७. लड़का दौड़ नहीं सकता।	-	लड़के से दौड़ा नहीं जाता।

****

Click here to visit our website
www.hamari-hindi.com